

प्रेषक,

पी०सी०शर्मा,
सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

निदेशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन,
उत्तरांचल, देहरादून ।

नागरिक उड्डयन विभाग

देहरादून दिनांक 10 जनवरी, 2006

विषय— राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों के उपयोग हेतु एक नया सुपर किंग एअर बी 200 के कय के सम्बन्ध में **Acceptance Protocol** हेतु श्री जी० सितैइया, मुख्य अभियन्ता राजकीय नागरिक उड्डयन निदेशालय, उत्तरांचल को एक सदस्य के रूप में विदेश यात्रा हेतु यात्रा-भत्ता अग्रिम की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या-261/4833/स०ना०उ०/पी०एस०(कैम्प)/2005 दिनांक 16-8-2005 एवं शासनादेश संख्या-279/4833/स०ना०उ०/पी०एस०(कैम्प)/2005/टीसी दिनांक 22-8-2005 के कय में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय, राज्य सरकार द्वारा राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों के उपयोग हेतु कय किये जा रहे एक नये वायुयान सुपर किंग एअर बी-200 के **Acceptance Protocol** के लिये एक सदस्य के रूप में राजकीय नागरिक उड्डयन निदेशालय, उत्तरांचल के अधिकारी श्री जी० सितैइया, मुख्य अभियन्ता को दिनांक 16-1-2006 से 21-1-2006 तक विदेश भ्रमण, विविटा (यूएसए) भेजे जाने हेतु उनकी विदेश यात्रा पर होने वाले व्यय को सहन करने हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-2006 में निम्न प्रतिबन्धों के अधीन रुपये 3,50,000.00 (रुपये तीन लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि यात्रा-भत्ता अग्रिम के रूप में आहरित कर स्वीकृत करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1— अग्रिम का भुगतान सम्बन्धित आहरण-वितरण अधिकारी द्वारा किया जायेगा ।
- 2— अग्रिम स्वीकृति के आदेश की प्रतिलिपि अग्रिम धनराशि के आहरण के वाउचर संख्या व दिनांक, लेखा शीर्षक, धनराशि के विवरण आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा दो प्रतियों में सम्बन्धित कोषागार को उपलब्ध कराया जायेगा ।
- 3— सम्बन्धित कोषाधिकारी आहरण एवं वितरण अधिकारी से प्राप्त विवरण को अनुरार अग्रिम भुगतान की गई धनराशि का विवरण निदेशक कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून को उपलब्ध करायेगा ।
- 4— अग्रिम का समायोजन यात्रा पूर्ण करने के एक माह अथवा दिनांक 31-3-2006 जो भी पूर्व में हो तक कर लिया जायेगा अन्यथा उक्त धनराशि को एकमुश्त राजकोष में जमा करा दिया जायेगा ।
- 5— यदि चिन्हीं कारणों से उक्त यात्रा नहीं की जा रही है तब भी सम्पूर्ण धनराशि तत्काल राजकोष में जमा कर दी जायेगी ।
- 6— उक्त अग्रिम के समायोजन के बाद ही कोई नया यात्रा भत्ता अग्रिम स्वीकृत किया जायेगा ।

उक्त प्रयोजन हेतु धनराशि अलग से स्वीकृत नहीं की जा रही है, बल्कि इस सम्बन्ध में पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या-46/02/IX(1)/CA/बजट/2005-06 दिनांक 10 मई, 2005 द्वारा आचर्य के निवर्तन पर रखी गई धनराशि से ही वहन किया जायेगा।

उपरोक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-2006 के आय-व्यय के अनुदान संख्या- 24 के अधीन लेखा शीर्षक- 3053-नागर विमानन 80-सामान्य- आयोजन-003-प्रशिक्षण तथा शिक्षा-03-नागरिक उड़्डयन-00- 04-यात्रा व्यय के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अख्यसकीय संख्या-197 (1) /XXVII(2)/2006/वि0अनु-3 दिनांक 09 जनवरी, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(पी0सी0शर्मा)
सचिव।

संख्या- 5551 /4833/सोना000/पी0एस0/(कैम्ब)/2005/टी0सी0,समदिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाई एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबेरीय मोटर बिल्डिंग, गाजरा, देहरादून।
- 2- मरिष्ट कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- सम्बन्धित अधिकारी को नाम से।
- 4- बजट पत्रावली।
- 5- वित्त अनुभाग-2
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय।

आज्ञा से,

(पी0सी0शर्मा)
सचिव।